

अथलीटोंने लगाया पदकों का छक्का

निषाद,रिंकू और सौम्या को स्वर्ण, अजीत यादव राधा वेंकटेश को रजत, रवन्नी को कांसा







नागोया (एजेन्सियां)। भारत के पैरा अथलीटों ने सोमवार को यहां आईची नागोया एशियाई पैरा खेलों की अथलेटिक्स स्पर्धाओं के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए तीन स्वर्ण सहित छह पदक जीते। लंबी कूद में निषाद कुमार, भाला फेंक में रिंकू और दृष्टिबाधित मध्य दूरी की धाविका सौम्या ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक हासिल किए। निषाद ने पुरुषों की लंबी कूद टी ४७ स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीतकर भारत का अथलेटिक्स में स्वर्ण पदकों का खाता खोला। इस २७ वर्षीय खिलाड़ी ने पिछले एशियाई पैरा खेलों में भी ऊंची कूद की टी ४७ स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। उन्होंने लंबी कूद में अपने तीसरे और पांचवें दोनों प्रयासों में ७.११ मीटर की छलांग लगाई। दिलचस्प बात यह है कि वह पहली बार लंबी कूद में प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। दो बार के पैरालम्पिक रजत पदक विजेता निषाद मौजूदा खेलों में अपनी पसंदीदा स्पर्धा ऊंची कूद टी-४७ में भी भाग लेंगे। उज्बेकिस्तान के ओमादबेक खासानोव और श्रीलंका के मोहम्मदु सफरान ने क्रमश: ६.९९ मीटर और ६.५५ मीटर के प्रयास से रजत और कांस्य पदक जीते। सौम्या ने महिलाओं की १५०० मीटर टी १२ टी १३ स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि हमवतन राधा वेंकटेश ने रजत पदक अपने नाम किया। सौम्या ने पांच मिनट १२.३९ सेकेंड का समय लेकर स्वर्ण पदक जीता जबकि राधा ने पांच मिनट ३०.९० सेकेंड में दौड़ पूरी करके रजत पदक हासिल किया। दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए आयोजित इस स्पर्धा में सौम्या के गाइड कुमार भरत थे जबकि राधा के साथ गोविंद सोलंकी ने गाइड की भूमिका निभाई। दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के सबसे गंभीर टी ११ वर्ग में भारत की रवन्नी वलसानैनी ने कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में मूल रूप से तीसरे स्थान पर रहने वाली रक्षिता राजू को तकनीकी उल्लंघन के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। यह उल्लंघन कपड़ों, जूतों और प्रतियोगिता में इस्तेमाल होने वाले बिब नंबरसे संबंधित नियमोंका पालन नहीं करनेके कारण हुआ। भारतके लिए तीसरा स्वर्ण रिंकूने पुरुषोंकी भाला फेंक एफ ४६ स्पर्धा में जीता जबकि उनके हमवतन अजीत सिंहने रजत पदक हासिल किया। रिंकूने ६५.११ मीटर भाला फेंककर स्वर्ण अपने नाम किया। उन्होंने अजीतको महज नौ सेंटीमीटरके अंतरसे पीछे छोड़ा। अजीतने ६५.०२ मीटरके थ्रो के साथ रजत पदक जीता। तीन खिलाडियोंकी इस स्पर्धामें इंडोनेशियाके आर सत्योनोने ५५.३० मीटर के थ्रो के साथ कांस्य पदक हासिल किया।

प्रज्ञान मुख्य चयनकर्ता रमेश पोवार भी शामिल

नयी दिल्ली (एजेन्सियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पुरुष क्रिकेट टीम की चयन समिति में बड़ा बदलाव करते हुए पूर्व भारतीय स्पिनर प्रज्ञान ओझा को नया मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किया है। वहीं पूर्व भारतीय आलराउंडर रमेश पोवार को चयन समिति में शामिल किया गया है। यह नियुक्ति अजीत अगरकर के पद छोड़ने के बाद हुई है। बीसीसीआई के इस फैसले के साथ पुरुष टीम की चयन समिति की नयी तस्वीर भी साफ हो गयी है। बीसीसीआई ने सोमवार को प्रज्ञान ओझा को पुरुष टीम की चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्त करने की घोषणा की। ओझा टेस्ट मैचों में खेलने के अनुभव के आधार पर पांच सदस्यीय समिति की अगुवाई करेंगे। उनके साथ शिव सुंदर दास, आरपी सिंह, अजय रात्रा और रमेश पोवार चयन समिति में शामिल होंगे। यह समिति भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के चयन से जुड़े अहम फैसले लेगी। बीसीसीआई के अनुसार क्रिकेट सलाहकार समिति (सीएसी) ने रमेश पोवार की नियुक्ति की सर्वसम्मति से सिफारिश की थी। इस समिति में अशोक मल्होत्रा और जतिन परांजपे शामिल थे।

सोने से दमकी मोना चांदी से चमकी अवनि

पैरा एशियाई खेल निशानेबाजी

नागोया (एजेन्सियां)। भारतकी मोना अग्रवाल और अवनि लेखरा ने २०२६ एशियाई पैरा खेलोंमें सोमवार को पहले दिन निशानेबाजी स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए देशको स्वर्ण और रजत पदक दिलाये। महिला १० मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच-फाइव फाइनल में दोनों भारतीय निशानेबाजोंके बीच कड़ी टक्कर देखनेको मिली। मुकाबले में कभी अवनिने बढ़त बनायी तो कभी मोना आगे निकल गयी। आखिरकार मोना ने २५०.० अंकों के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि अवनि २४९.६ अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं। दोनों के बीच अंतर महज ०.४ अंक का रहा। दक्षिण कोरिया की ली युनरी ने २२७.९ अंकोंके साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। फाइनल में अवनि लेखरा ने शुरुआतसे ही अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। उन्होंने पहली सीरीज में ५३.२ अंक हासिल किए। दूसरी सीरीज के बाद उनका कुल स्कोर १०४.८ अंक हो गया और वह शीर्ष स्थान पर बनी रहीं। दूसरी ओर मोना अग्रवाल ने भी शानदार प्रदर्शन किया और १०२.९ अंकों के साथ अवनि के करीब रहीं। शुरुआती सीरीजमें अवनि ने बढ़त बनाए रखी, लेकिन मोना लगातार अंतर कम करने की कोशिश करती रहीं। मुकाबलेमें दोनों भारतीय निशानेबाजोंके बीच अंकों का फासला ज्यादा नहीं रहा, जिससे फाइनल का रोमांच बढ़ता गया। मुकाबलेके अगले चरणमें मोनाने अवनिको कड़ी चुनौती दी। स्टेज-दो की पहली सीरीज के बाद अवनि के १२६.४ अंक थे, जबकि मोना १२३.७ अंकों पर थीं। इसके बाद अवनि ने अपनी बढ़त बढ़ाई और १४६.८ अंकों तक पहुंच गयी। मोना के खातेमें उस समय १४४.७ अंक थे। इसके बाद मुकाबलेमें दोनों



निशानेबाजोंके बीच कांटे की टक्कर जारी रही। स्टेज-दो की अगली सीरीजमें मोना ने १६५.७ अंक हासिल किए, जबकि अवनि का स्कोर १६७.२ अंक था। इसके बाद दोनों के बीच मुकाबला और करीबी हो गया। एक समय अवनि १८६.९ अंकोंपर थीं, जबकि मोना १८७.१ अंक हासिल कर उनसे आगे निकल गयी। फाइनल की निर्णायक सीरीजमें भी दोनों भारतीय निशानेबाजोंने पदकके लिए पूरा जोर लगाया। अंत में मोना अग्रवाल ने २५०.० अंकोंके साथ र स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अवनि लेखरा को २४९.६ अंकों के साथ रजत पदक मिला।

कोकिला की चांदी, कपिल ले आये कांस्य

पैरा एशियाई खेल जूडो

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के दृष्टिबाधित जूडो खिलाड़ियों ने सोमवार को एशियाई पैरा खेलों में दो पदक जीते जिसमें कोकिला ने महिलाओं के जे २.५२ किग्रा वर्ग में रजत पदक जबकि कपिल परमार ने पुरुषों के जे १.७० किग्रा वर्ग में कांस्य पदक अपने नाम किया। हांगझोउ एशियाई पैरा खेलों की कांस्य पदक विजेता कोकिला को फाइनल में किर्गिस्तान की ऐबिके उलानबेक काइजी के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। काइजी ने महज २१ सेकेंड में इप्पोन हासिल करके स्वर्ण पदक जीत लिया। जूडो में इप्पोन सबसे अधिक अंक देने वाला मूव है जिससे मुकाबला तुरंत जीत लिया जाता है। पिछले एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक जीतने वाले कपिल को सेमीफाइनल में इंडोनेशिया के जुनेदी के खिलाफ ०-१ से हार का सामना करना पड़ा था जिसके बाद उन्होंने





कांस्य पदक के मुकाबले में जगह बनाई। एक अन्य इंडोनेशियाई खिलाड़ी अहनाफ रफ्ली शिदकी के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में कपिल ने एक इप्पोन हासिल करके १-० से जीत दर्ज की। यह मुकाबला एक मिनट से कुछ अधिक समय तक चला। इससे पहले सुबह के सत्र में कोकिला ने सेमीफाइनल में चीन की यी लियू को हराया था। २०२३ में हुए पिछले चरण में महिलाओं के ४८ किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतने वाली कोकिला ने सेमीफाइनल में १-० से जीत दर्ज की। उन्होंने अपनी चीनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ एक वाजा अरीष दूसरा सबसे बड़ा तकनीकी स्कोर और एक युकोष प्रभावी तकनीक के लिए दिया जाने वाला स्कोर हासिल किया जबकि उनकी प्रतिद्वंद्वी एक वाजा अरीष ही जुटा सकीं।

भारत चाहेगा क्लीन स्वीप

रायपुर (एजेन्सियां)। शीर्षक्रम के बल्लेबाजों के लय में लौटने के बाद उत्साह से लबरेज भारतीय महिला क्रिकेट टीम जिम्बाब्वे के खिलाफ मंगलवार को यहां होने वाले तीसरे एवं अंतिम टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने और ३-० से क्लीन स्वीप करने का लक्ष्य लेकर मैदान पर उतरेगी। स्मृति मंधाना के पूर्णकालिक कप्तान बनने के बाद भारत पहले टी-२० अंतरराष्ट्रीय मैच में ११५ रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए तब संकट में पड़ गया था जब उसने अपने चार विकेट १९ रन पर गंवा दिए थे। भारत हालांकि दीप्ति शर्मा और निक्की प्रसाद की अच्छी बल्लेबाजी से यह मैच जीतने में सफल रहा था। सीनियर अंतरराष्ट्रीय मैच में पदार्पण पर २० वर्षीय निक्की पहले मैच में ३९ रन बनाकर नाबाद रहीं। उन्होंने दूसरे मैच में सात रन देकर दो विकेट लिए और इस तरह से अपनी आलराउंड क्षमता का अच्छा नमूना पेश किया। दूसरे मैच में मंधाना ने २५ गेंदों पर नाबाद ४७ रन जबकि शेफाली वर्मा ने केवल २५ गेंदों पर ५५ रन बनाये।

रवि ने तरणताल से निकाला रजत

नागोया (एजेन्सियां)। भारत के रवि कार्तिक बुडिगिना ने सोमवार को यहां एशियाई पैरा खेलों की पुरुषों की १०० मीटर फ्रीस्टाइल एस १३ स्पर्धा में रजत पदक जीता। बुडिगिना ने ५६.६८ सेकेंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया। उज्बेकिस्तान के एगोर बोलोटोव ने ५२.९० सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। कजाखस्तान के विक्टर वोल्कोव ने ५७.२३ सेकेंड के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। एस १३ वर्ग दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए है। हालांकि पैरालम्पिक खेलों में पात्र दृष्टिबाधित खिलाड़ियों की श्रेणियों में इस वर्ग के खिलाडियों की दृष्टि संबंधी अक्षमता सबसे कम होती है।

प्राची, सोनल, भविना का पदक पक्का

नागोया (एजेन्सियां)। पैरालम्पिक रजत पदक विजेता भाविना पटेल सहित भारतके तीन टेबल टेनिस खिलाड़ियोंने सोमवारको यहां एशियाई पैरा खेलोंके सेमीफाइनलमें प्रवेश किया जिससे देशके तीन अलग-अलग वर्गों में पदक पक्के हो गये। प्राची पाण्डेयने महिला वर्ग छहके मुकाबलेमें थाईलैंड की कानोकपार्न फाथुमचाईको हराकर सेमीफाइनलमें जगह बनायी जबकि सोनलबेनने वर्ग तीनमें थाईलैंड की दरारत असायुतको शिकस्त दी। भाविना ने वर्ग चार-पांचमें चीनकी झांग मियाओको हराकर सेमीफाइनलमें प्रवेश किया। प्राचीने दूसरे मुकाबलेमें फाथुमचाईको ११-५, ११-४, ११-१३, १२-१० से हराया। सोनलबेनने महिला एकल वर्ग तीन के क्वार्टर फाइनल में दरारत को ३-१ से हराकर सेमीफाइनलमें प्रवेश किया। भाविना ने भी वर्ग चार-पांच के क्वार्टर फाइनलमें चीनकी झांग मियाओ को ३-१ से हराया।

जुयाल के शतक से उत्तर प्रदेश मजबूत

कानपुर (एजेन्सियां)। कप्तान आर्यन जुयाल के नाबाद अर्द्धशतक की मदद से उत्तर प्रदेश ने रणजी ट्राफी ग्रुप ए मुकाबले के दूसरे दिन सोमवार को गोवा के खिलाफ दूसरी पारी में चार विकेट पर १०२ रन बना लिए जिससे उसकी कुल बढ़त १४० रन की हो गयी है। इससे पहले उत्तर प्रदेश ने गोवा को पहली पारी में १६४ रन पर समेट दिया था। गोवा ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के ४३ रन से की लेकिन लेग स्पिनर जीशान अंसारी (५-४५) की घातक गेंदबाजी ने उत्तर प्रदेश को पहली पारी में ३८ रन की बढ़त दिला दी। पहली पारी में २०२ रन पर सिमटने वाली उत्तर प्रदेश की टीम ने स्टंप तक दूसरी पारी में ३८ ओवर में चार विकेट पर १०२ रन बना लिए है। जुयाल ११३ गेंद पर ६० रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। दूसरी पारी में उत्तर प्रदेश की शुरुआत बेहद खराब रही। यश कसवांकर ने पारी के पहले ही ओवर में अभिषेक गोस्वामी और माधव कौशिक को बिना खाता खोले



आउट कर दिया। इससे टीम का स्कोर एक रन पर दो विकेट हो गया। इसके बाद जुयाल और करण शर्मा ३१ ने तीसरे विकेट के लिए ८७ रन की साझेदारी करके उत्तर प्रदेश को मुश्किल से उबारा। दर्शन मिसाल ने करण शर्मा को आउट किया जबकि दिन के अंतिम चरण में अंसारी तीन रन बनाकर अभिनव तेजराना की गेंदपर पगबाधा आउट हुए। जुयालने एक छोर संभाले रखा और दिन का खेल समाप्त होने तक डटे रहे। दूसरे छोर पर कार्तिक यादव एक रन बनाकर खेल रहे थे। कसवांकर ने दो विकेट लिए जबकि मिसाल और तेजराना को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले गोवा ने दिन की शुरुआत बिना किसी नुकसान के ४३ रन से कीए लेकिन उसकी पूरी टीम पहली पारी में १६४ रन पर आउट हो गयी। शिवेंद्र भुजबल ने ९८ गेंद पर ४४ रन बनाकर टीम के लिए सर्वाधिक योगदान दिया। कसवांकर ने ३६ और कप्तान अभिनव तेजराना ने २६ रन बनाए। वहीं पुडुचेरीमें एक अन्य मैचमें मेहमान मध्य प्रदेशने दिनका खेल समाप्त होने तक पहली पारीमें पांच विकेटपर ३०२ रन बना लिए। इससे उसे पुडुचेरी की पहली पारीके १७७ रनके जवाबमें १२५ रनकी बढ़त मिल गयी हैं। चंचल राठौरने ७८ और शुभम शर्माने ५८ रन बनाकर अहम योगदान दिया जबकि कप्तान रजत पाटीदार १०७ रन बनाकर नाबाद रहे और उन्होंने पारीको मजबूती दी।

शीतल देवी, तोमन ने तोड़ा विश्व रेकार्ड



नागोया (एजेन्सियां)। भारतीय पैरा तीरंदाज शीतल देवी और तोमन कुमार ने एशियन पैरा गेम्स में शानदार प्रदर्शन करते हुए कंपाउंड मिक्स्ड टीम स्पर्धा का विश्व रेकार्ड तोड़ दिया। दोनों भारतीय तीरंदाजों ने रैंकिंग राउंड

पैरा एशियाई खेल तीरंदाजी

में कुल १४०२ अंक हासिल किए और शीतल देवी तथा राकेश कुमार के १४०० अंकों के पिछले विश्व रेकार्ड को पीछे छोड़ दिया। यह मुकाबला सोमवार को जापान के ओकाजाकी स्थित ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में आयोजित किया गया। भारतीय जोड़ी का यह प्रदर्शन एशियन पैरा गेम्स का भी नया रेकार्ड बना। इससे पहले यह रेकार्ड चीन के नाम था जिसने २०२३ में हांगझोऊ में आयोजित एशियन पैरा गेम्स में १३८२ अंक हासिल किए थे। रैंकिंग राउंड में तोमन कुमार ने पुरुषों की कंपाउंड स्पर्धा में संभावित ७२० में से ६९८ अंक हासिल किए जबकि शीतल देवी ने महिलाओं के रैंकिंग राउंड में ७०४ अंक बनाकर अपनी शानदार फार्म का परिचय दिया। शीतल का ७०४ अंकों का स्कोर नया एशियाई रेकार्ड रहा और इसने विश्व रेकार्ड की भी बराबरी की। इस प्रदर्शन के साथ उन्होंने एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा साबित की। वहीं तोमन ने ६९८ अंकों के अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के दम पर पुरुषों की व्यक्तिगत कंपाउंड रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल किया।

महिलाओं की व्यक्तिगत कंपाउंड रैंकिंग में शीतल देवी ७०४ अंकों के साथ शीर्ष स्थान पर रहीं। सिंगापुर की नूर सैयदा अलीम ने ६८३ अंक हासिल कर दूसरा स्थान प्राप्त किया जबकि चीन की जुएकिंग जू ६८० अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पुरुषों की व्यक्तिगत कंपाउंड रैंकिंग में चीन के यिचेंग झांग ने ७०८ अंक हासिल कर एशियाई रेकार्ड बनाया। तोमन कुमार ६९८ अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहे। कम उम्र में ही



भारतीय पैरा तीरंदाजी की प्रमुख खिलाड़ियों में शामिल हो चुकीं शीतल देवी लगातार अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपनी छाप छोड़ रही हैं। उन्होंने २०२३ में हांगझोऊ एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं की व्यक्तिगत कंपाउंड स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता था। इसके बाद २०२४ के पेरिस पैरालम्पिक में उन्होंने कांस्य पदक अपने नाम किया।

शीतल और तोमन के इस रेकार्डतोड़ प्रदर्शन ने भारत की पदक उम्मीदों को मजबूती दी है। रैंकिंग राउंड में शानदार अंक हासिल करने के बाद भारतीय जोड़ी कंपाउंड मिक्स्ड टीम स्पर्धा के फाइनल में स्वर्ण पदक की मजबूत दावेदारों में शामिल होगी।



विमल जैन हस्तरेखा विशेषज्ञ, रत्न-परामर्शदाता, फलित अंक ज्योतिषी एवं वास्तुविद्
एस. 2/1-76 ए, द्वितीय तल, वरदान भवन, टैगोर टाउन एक्सटेंशन, भोजूबीर, वाराणसी-221002
09335414722

आज का राशिफल मंगलवार, 20 अक्टूबर 2026

मेष-	व्यापार में विस्तार, उच्चाधिकारियों सं संपर्क, प्रसन्नता का वातावरण, विरोधी परास्त।
वृषभ-	विशिष्टजनों से सम्पर्क, मसला हल, मित्रों से विचार-विमर्श, यात्रा का लाभ, हर्ष।
मिथुन-	समस्याएँ प्रभावी, क्रोध से हानि, मित्रों से अनबन, आत्मबल में कमी, व्यर्थभ्रमण।
कर्क-	दिन बेहतर, धनागम का सुयोग, प्रेमसम्बन्धों में मधुरता, पठनपाठन में रुचि, यात्रा।
सिंह-	आर्थिक प्रगति, लाभ का अवसर, मनोकामना पूर्ण, नौकरी में पदोन्नति, हर्ष भी।
कन्या-	मनोकामना पूर्ण, परिजनों से लगाव, कार्यक्षमता का अहसास, यात्रा से मन प्रसन्न।
तुला-	आत्मविश्वास में कमी, धन की क्षति, दायित्वपूर्ति में अड़चने, यात्रा में परेशानी।
वृश्चिक-	व्यवसायिक सफलता, आर्थिक प्रगति, सलाह से कामयाबी, परिवार में खुशी का माहौल।
धनु-	योजना साकार, आर्थिकस्थिति में सुधार, लाभ का सिलसिला, परिवार में हर्षोल्लास।
मकर-	लाभ का सुअवसर, परोपकार में रुचि, कार्य प्रगति पर, सुसंदेश की प्राप्ति, मन प्रसन्न।
कुम्भ-	नवयोजना अधूरी, आत्मिक शांति में कमी, द्रव्य की क्षति, मन उदास, यात्रा निराशाजनक।
मीन-	अभिलाषा की पूर्ति, जनकल्याण में रुचि, बौद्धिकक्षमता में वृद्धि, यात्रा लाभदायक।

आज है जिनका जन्मदिन 20अक्टूबर

आपको जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएँ। जन्मदिनांक 20 का मूलांक 2 का स्वामी ग्रह चंद्रमा एवं माह का अधिपति ग्रह शुक्र है। जीवन संघर्षशील रहेगा। आकर्षक प्रतिभा के धनी होंगे। आपकी मानसिक शक्ति शारीरिक शक्ति की अपेक्षा बेहतर होगी। किसी बात को स्पष्ट रूप से कहने में विश्वास करेंगे। अधिकार निश्चय अनिश्चय की स्थिति में रहेंगे। मुख्य ध्येय लक्ष्य की प्राप्ति होगा। कला-सौन्दर्य की ओर विशेष झुकाव रहेगा। जनसम्पर्क का लाभ प्राप्त कर सकेंगे। एक ही स्थान पर ज्यादा देर तक कार्य नहीं कर सकेंगे। मुसीबतों के समय भी मुस्कराते रहेंगे। घरेलू जीवन में ज्यादा रूचि रखेंगे। भावना प्रधान व्यक्ति होने के कारण आपके भावनाओं को बहुत जल्दी ठेस लगेगी। किसी भी समस्या पर तुरन्त निर्णय लेने में स्वयं को असमर्थ सा महसूस करेंगे। नियमित रूप से देव अर्चना अवश्य करें। तन-मन-कर्म-वचन से शुचिता का धर्म अपनाएँ। दैनिक जीवन में सफेद रंगों सम्बन्धित वस्तुओं का प्रयोग अधिकतम करें। सफेद वस्तुओं का दान भी करें। सदाचारी बनें। आरोग्य व सौभाग्य के लिए रत्न या उपरत्न तथा यन्त्र विधि-विधानपूर्वक धारण करें।

आपके लिए शुभ

मन्त्र	: ॐ सों सोमाय नमः	मास	: अक्टूबर, अक्टूबर एवं नवम्बर
व्रत	: सोमवार	वर्ष	: 2, 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65
दिन	: सोमवार, मंगलवार एवं शुक्रवार	रंग	: सफेद एवं क्रीम
दिनांक	: 2, 11, 20, 29	जन्मरत्न	: मोती उपरत्न : मून स्टोन
अंक	: 1, 4, 7	जड़ी	: अनार की जड़ दिशा : नैर्ऋत्य

वर्ष का महत्वपूर्ण समय—20 अक्टूबर से 20 अक्टूबर

यन्त्र

7	2	9
8	6	4
3	10	5

						4	7	
					2		3	
	5			9				
				8	4			
2		3						
7								
			3	5		1		
			7					
	8					5		

सुडोकू ४०८९

खेलने का ढंग: दिए गये खेल और नम्बरों को खेलना है। तर्क से इसे हल कर सकते हैं। अब तो नई खानों के भी खाने दिए गए हैं। आपको 1 से 9 की संख्याएं इस तरह लिखनी हैं कि खड़ी और पड़ी लाइनों के छोटे खाने में 1 से 9 की सभी संख्याएं आएं। खाने की 3x3 के छोटे खानों में भी 1 से 9 तक की संख्याएं हों। पहेली का हल कल मिलेगा।

7	1	6	9	8	4	5	2	3
8	5	4	1	3	2	6	9	7
2	9	3	6	5	7	1	8	4
5	6	8	7	1	3	2	4	9
1	3	7	4	2	9	8	6	5
4	2	9	5	6	8	7	3	1
9	7	2	8	4	1	3	5	6
6	8	1	3	9	5	4	7	2
3	4	5	2	7	6	9	1	8

हल: ४०८८